संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की एकमात्र वार्षिक हिन्दी पत्रिका "प्रावाहिनी" का 12वाँ अंक पाठकों के हाथों में सौंपते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है । प्रस्तुत अंक में संस्थान के पदाधिकारियों और उनके परिवारजनों के लेखों को ही स्थान नहीं दिया गया है अपितु इसमें संस्थानेतर प्रबुद्ध व्यक्तियों की रोचक, महत्वपूर्ण तथा ज्ञानवर्धक रचनाओं को भी शामिल किया गया है ।

हमें विश्वास है कि इस संकलन से सरकारी कार्यालयों में कार्यरत पदाधिकारियों को हिन्दी में काम करने का प्रोत्साहन तो मिलेगा ही, साथ ही साथ यह पत्रिका जनसाधारण के लिए भी उपयोगी एवं सार्थक सिद्ध होगी ।

हम उन समस्त सुधी लेखकों का सहृदय आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमारी इस पत्रिका के लिए अपने रोचक एवं महत्वपूर्ण लेख संप्रेषित किए हैं ।

संपादक मंडल